बिहार सरकार

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

मुख्यमंत्री निजी पौधशाला योजनान्तर्गत स्थापित सामान्य प्रजाति की पौधशालाओं से संबंधित किसान भाईयों के लिए जानकारी :–

किसान बंधुओं द्वारा छोटे एवं बड़े ट्यूब में सामान्य प्रजाति के पौधे उगाने के लिए पौधशाला की स्थापना की गई है। अंकुरण क्यारियों से बिचड़ों को पौलीथीन थैलियों में रोपने अथवा बीजों को सीधे छोटे–बड़े ट्यूब में रोपने का कार्य भी पूरा हो चुका होगा। अब निम्न बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है :–

1. **पौधों की खपत** :– छोटे ट्यूब के पौधों की खपत जुलाई से सितम्बर के बीच कर लिया जाना है। जबकि बड़े ट्यूब के पौधो को अगले वर्ष के माह फरवरी/वर्षाकाल में उपयोग किया जाना है। इसी के अनुसार पौधों का रख–रखाव किया जाना है।

2. **पटवन** :– दोनों प्रकार के ट्यूब में उगाये गए पौधों का नियमित रूप से झरने से पानी पटाना है तथा पानी प्रचुर मात्रा में दिया जाना है ताकि ट्यूब के निचले हिस्से की मिट्टी भी गिली हो जाय।

   अंकुरण वेड में उगाए गये पौधों का पटवन भी झरने से किया जाना है लेकिन पानी उतना ही देना है जिससे से बेड में नमी बने रहे।

3. **धूप से बचाव** :– तेज धुप के चलते पौधे सुख जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाती है। इसके लिए पेड़ों की टहनी, पुआल इत्यादि स्थानीय सामग्रीयों का प्रयोग करके अस्थायी रूप से ट्यूब के बेड के उपर छाया उपलब्ध कराया जा सकता है। वर्षाकाल आरम्भ होने पर शेड हटा देना है।

4. **छटाई** :– समय–समय पर ट्यूब को बेड में ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर छांटकर रखना है ताकि मृत पौधों वाले ट्यूब को अलग किया जा सके एवं अच्छे/स्वस्थ पौधे एक तरफ रहें और पौधों की जड़ें ट्यूब को छेदकर जमीन में स्थापित नहीं हो सके। प्रजातिवार पौधों का बेड में लगना तथा छाँटकर रखना सुविधाजनक होगा।

5. **मृत पौधों का बदलाव** :– ट्यूब में मृत पौधों को अंकुरण बेड में उपलब्ध पौधों से बदलना है तथा फलदार पौधों के बीज को भी ट्यूब में उपलब्धता के अनुसार डालना है।

6. **निकोनी** :– ट्यूब के अंदर खर–पतवार को अविलम्ब निकोनी करके हटाना है।

7. **कीटनाशक का छिडकाव** :– कीड़ों का प्रकोप होने पर एल्ड्रीन 30EC अथवा हेप्टाक्लोर 20EC का छिड़काव किया जा सकता है। कृमिसूत्र के लिए क्लोरोपक्रीन या डी0डी0 क्वीश्चर इत्यादि का छिड़काव किया जा सकता है।

8. **खाद** :– आवश्यकतानुसार जैविक या रासायनिक खाद का उपयोग किया जा सकता है।

9. इस संबंध में अतिरिक्त जानकारी के लिए कार्यालय अवधि–पूर्वाह्न 9.30 बजे से अपराह्न 6.00 बजे तक **मोबाईल नं0–9473045992** पर सम्पर्क करें।

निदेशक,
हरियाली मिशन, बिहार, पटना।